हनुमान शाबर मंत्र

प्रयोग विधि और आरती सहित

InstaPDF
INSTAPDF.IN

पहला साबर मंत्र

बाहरी शक्तियों से स्वयं की रक्षा के लिए हनुमान शाबर मंत्र :-

।। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत् मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

मंत्र प्रयोग विधि: - हनुमान जी का यह शाबर मंत्र किसी नकारात्मक शक्ति से रक्षा के लिये या भय आदि से मुक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है । लगातार 21 दिनों तक एक सीमित मात्रा में उपरोक्त मंत्र के जप करें । 21 दिन बाद आप इस मंत्र को इस प्रकार से प्रयोग में लाये : मंत्र को सात बार जप करें व हनुमान जी का ध्यान करते हुए अपने चारों तरफ या पीड़ित के चारों तरफ चाकू सँ गोल घेरा बना दे। ऐसा करने से स्वयं हनुमान जी उस जातक की रक्षा करते है जब तक वह इस घेरे में रहता है ।

InstaPDF.in
InstaPDF INSTAPDF.IN

दूसरा साबर मंत्र

हनुमान जी के साक्षात् दर्शन प्राप्ति हेतु शाबर मंत्र

ॐ हनुमान पहलवान पहलवान, बरस बारह का जबान,
हाथ में लड्डू मुख में पान, खेल खेल गढ़ लंका के चौगान,
अंजनी का पूत, राम का दूत, छिन में कीलौ
नौ खंड का भूत, जाग जाग हड़मान (हनुमान)
हुंकाला, ताती लोहा लंकाला, शीश जटा
डग डेरू उमर गाजे, वज्र की कोठड़ी ब्रज का ताला
आगे अर्जुन पीछे भीम, चोर नार चंपे
ने सींण, अजरा झरे भरया भरे, ई घट
पिंड की रक्षा राजा रामचंद्र जी लक्ष्मण कुंवर हड़मान (हनुमान) करें।

मंत्र प्रयोग विधि: - अपने शुभ कार्य की शुरुआत किसी मंगलवार या शनिवार से करें । सुबह प्रातः हनुमान जी के मंदिर जाए व उन्हें सिन्दूर का चौला चढ़ाये और जनेऊ ,खड़ाऊ ,लंगोट, दो लडडू और ध्वजा भी चढ़ाये । इस साधना के दौरान आप प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखे । लाल वस्त्र धारण करके लाल चंदन की माला से मंत्र का जप शुरू करे । मंत्र की 10 माला का जप प्रतिदिन करें । शनिवार को गुड़ और चने का वितरण करना है । ब्रह्मचर्य कर कठोरता से पालन करें और सदैव स्वयं को पवित्र रखे । इस प्रकार से लगातार 3 माह तक इस कार्य को लगातार करते रहने से हनुमान जी के साक्षात् दर्शन प्राप्त होते है ।

InstaPDF.in
InstaPDF INSTAPDF.IN

तीसरा साबर मंत्र

कार्य सिद्ध करने हेतु हनुमान शाबर मंत्र

हनुमान जाग – किलकारी मार
तू हुंकारे – राम काज सँवारे
ओढ़ सिंदूर सीता मैया का
तू प्रहरी राम द्वारे
मैं बुलाऊँ , तु अब आ
राम गीत तु गाता आ
नहीं आये तो हनुमाना
श्री राम जी ओर सीता मैया कि दुहाई
शब्द साँचा – पिंड कांचा
फुरो मन्त्र ईश्वरोवाचा |

मंत्र प्रयोग विधि: - हनुमान जी के इस शाबर मंत्र को प्रयोग में लाने से पहले इसे परिपक्व अवश्य करें । किसी योग्य गुरु के सानिध्य में आप लगातार 21 दिनों तक हनुमान जी के उपरोक्त शाबर मंत्र की एक माला का जप प्रतिदिन करें । मंत्र का जप हनुमान जी के प्रति श्रद्धा और विश्वास को रखते हुए करें बिना किसी कपट भाव के करें ।

Instapdf.in

InstaPDF INSTAPDF.IN

चौथा साबर मंत्र

हनुमान शाबर वशीकरण मंत्र

ओम नमो महावीर, हनुमन्त वीर

धाय-धाय चलो, अपनी मोहिनी चलाओ

अमुक के नैन बाँध, मन बाँध, काया बाँध

घर बाँध, द्वार बाँध मेरे लिये

ना बाँधे तो मेरी आण

मेरे गुरू की आण, छु वाचापुरी //

मंत्र प्रयोग विधि: - दूसरों को अपने वश में करने के लिए इस शाबर मंत्र/Hanuman Shabar Mantra का प्रयोग किया जाता है । उपरोक्त मंत्र में अमुक शब्द के स्थान पर जिस पुरुष या महिला को अपने वश में करना है उसका नाम बोले । पहले 21 दिनों तक उपरोक्त मंत्र को परिपक्व कर ले बाद में मंत्र का प्रयोग करते समय ही अमुख के स्थान पर वशीकृत का नाम बोलना है ।

InstaPDF.in
InstaPDF INSTAPDF.IN

पंचवा साबर मंत्र

साबर अढाईआ मंत्र

॥ ॐ नमो आदेश गुरु को, सोने का कड़ा,

तांबे का कड़ा हनुमान वग्गारेय सजे मोंढे आन खड़ा ॥

ॐ नमो बजर का कोठा,

जिस पर पिंड हमारा पेठा।

ईश्वर कुंजी ब्रह्म का ताला,

हमारे आठो आमो का जती हनुमंत रखवाला।

Instapdf.in

InstaPDF INSTAPDF.IN

श्री हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की। दुष्ट दलन रघुनाथ कला की।।
जाके बल से गिरिवर कांपे। रोग दोष जाके निकट न झांके।।

अंजनि पुत्र महाबलदायी। संतान के प्रभु सदा सहाई।
दे बीरा रघुनाथ पठाए। लंका जारी सिया सुध लाए।

लंका सो कोट समुद्र सी खाई। जात पवनसुत बार न लाई।
लंका जारी असुर संहारे। सियारामजी के काज संवारे।

लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे। आणि संजीवन प्राण उबारे।
पैठी पताल तोरि जमकारे। अहिरावण की भुजा उखाड़े।

बाएं भुजा असुर दल मारे। दाहिने भुजा संतजन तारे।
सुर-नर-मुनि जन आरती उतारे। जै जै जै हनुमान उचारे।

कंचन थार कपूर लौ छाई। आरती करत अंजना माई।
लंकविध्वंस कीन्ह रघुराई। तुलसीदास प्रभु कीरति गाई।

जो हनुमानजी की आरती गावै। बसी बैकुंठ परमपद पावै।
आरती कीजै हनुमान लला की। दुष्ट दलन रघुनाथ कला की।

Instapdf.in

InstaPDF INSTAPDF.IN

InstaPDF
INSTAPDF.IN

Hi! We're InstaPDF. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click**.

https://instapdf.in

READ DISCLAIMER

Instapdf.in